नारदर्न रेलवेमेन्स यूनियन

केन्द्रीय कार्यालय

12 चैम्सफोर्ड रोड , नई दिल्ली

नारदर्न रेलवेमेन्स यूनियन की केन्द्रीय परिषद की बैठक का कार्यवृत्त– दिनांक 17 जुलाई 2010

पूर्व अधिसूचनानुसार, नारदर्न रेलवेमेन्स यूनियन की केन्द्रीय परिषद की बैठक ,यूनियन के अध्यक्ष साथी हरभजन सिंह सिद्धू की अध्यक्षता में दिनांक 17 जुलाई 2010 को केन्द्रीय कार्यालय परिसर स्थित टी एन वाजपेई मेमोरियल हाल नई दिल्ली में दोपहर 12 बजे प्रारम्भ हुई जिसमें 184 सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

सर्वप्रथम , अध्यक्ष जी ने उपस्थित केन्द्रीय पदाधिकारियें , मण्डल अध्यक्ष , मण्डल मंत्री एवं केन्द्रीय परिषद के सदस्यों का स्वागत करते हुए 4–5 नवम्बर 2009 को अम्बाला में सम्पन्न वार्षिक सामान्य सभा , कार्यकारीणी एवं केन्द्रीय परिषद सभा के कार्यवृत्त जो पूर्व ही प्रसारित किये जा चुके थें , पर विचार एवं अनुमोदन हेतु अनुरोध किया जिसे सर्वसम्मति से हाथ उठाकर मुल रुप मे ही अनुमोदित घोषित किया गया।

इस अन्तराल में वेस्टर्न रेलवे इम्पलाइज यूनियन के महामंत्री स्व. चन्द्रशेखर मेनन सहित दिवंगत विशिष्ट समाजसेवियों , ट्रेड यूनियन के समर्पित कार्यकर्ताओं एवं उनके परिजनों को याद करते हुए 2 मिनट का मौन रखकर ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति हेतु कामना की गई।

केन्द्रीय अध्यक्ष ने अम्बाला में सम्पन्न हुए केन्द्रीय परिषद की बैठक का जिक किया तथा एक उद्योग में एक यूनियन आने पर उसकी सराहना करते हुए उसकी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आज नये पदो के सृजन करने पर रोक लगी हुई है वही पूंजीपति अपने हितों के अनुसार सरकार से कानून पास करवा लेतें हैं। ठेकदारी प्रथा बढ रही है। पार्सल ठेके पर चला गया है, पढाई खुलेआम बिक रही है , समाज की धज्जियॉ उड रही हैं , पोस्टों को अंधाधुंध सरेण्डर किया जा रहा है। अध्यक्ष ने 24–25 अप्रैल 2010 को कार्यकारीणी की बैठक का जिक करते हुए कहा कि उस मीटिंग में भी यह सब बातें रखी गई थीं , इन सब से निपटने के लिए हमें एक होकर कार्य करना होगा। सभी रेलमंत्री कह रहे हैं कि निजीकरण नही होगा परन्तु हर जगह धीरे–धीरे निजीकरण किया जा रहा है। उन्होने 13 जुलाई 2010 को नई दिल्ली में सम्पन्न "रनिंग स्टाफ कान्फ्रेन्स" की प्रंशसा करते हुए इस सम्मेलन में चर्चित विभिन्न मुददों जैसे खाली पडे हुए पदो को भरने, नयी गाड़ियो के लिएं नये पदो को स्वीकृत करने , स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति लेने पर कर्मचारी के एक बच्चे को रेल में नौकरी देने के बिषय में बताया तथा रेलमंत्री सुश्री ममता बनर्जी द्वारा इस कान्फ्रेन्स में बतायी गयी बातों पर चर्चा की। अध्यक्ष महोदय ने एजेंडे पर चर्चा करते हुए अंबाला में सम्पन्न हुए पिछली केन्द्रीय परिषद की बैठक के कार्यवृत्त की स्वीकृत हेतु सदन में रक्खा जिसे सभी ने ध्वनिमत से मंजूर कर लिया तत्पश्चात अध्यक्ष जी ने आने वाले समय में यूनियन के महामंत्री साथी शिव गोपाल मिश्र के सेवानिवृत्ति को ध्यान में रखते हुए संविधान के अनुसार उनके "आनरेरी मेम्बरशिप" प्रदान किये जाने हेतु प्रस्ताव सदन में रक्खा जिसे सभी उपस्थित केन्द्रीय परिषद के सदस्यों ने सर्वसम्मति से करतल–ध्वनि एवं जोशीले नारों के साथ स्वीकार कर पारित किया। अध्यक्ष

महोदय ने यूनियन की सदस्यता पर कहा कि हमारे मण्डलों /शाखाओं में कहीं सदस्यता बढ़ी है तो कहीं घटी है इस पर विशेष ध्यान देने को कहा। अध्यक्ष महोदय ने अपने भाषण में युवाओं व महिलाओं को आगे लाने , समस्त कर्मचरियो को अपने यूनियन से जोड़ने पर जोर दिया। अध्यक्ष जी ने 1956 में कालका के शहीदों तथा 1960 के दाहोद के अमर शहीदों के बारे मे अवगत कराते हुए उनकी मांगों की चर्चा की । उन्होने हिन्द मजदूर सभा की तरफ से चीन में आयोजित सम्मेलन के अपने अनुभवों के बारे में भी सभी सदस्यो को बताया। केन्द्रीय अस्पताल तथा रेलवे कालोनियों की दुर्दशा के बारे में अवगत कराते हुए उन्होने इस पर तत्काल कदम उठाये जाने की मांग की।

महामंत्री , श्री शिवगोपाल मिश्र ने सभी केन्द्रीय परिषद के सदस्यों को उन्हे अपने "आनरेरी मेम्बरशिप" दिये जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन कर पास करने पर सबको धन्यवाद करते हुए कहा कि आप सभी साथियों का प्यार ही हमें मजबूती प्रदान करता है। उन्होने रनिंग कान्फ्रेन्स का जिक्र करते हुए बताया कि मुम्बई में मोटरमैनों की हड़ताल के उपरान्त इस कान्फ्रेंन्स को दिल्ली में जल्दी में क्यों आयोजित करना पड़ा। फास्ट्र टैक कमेटी के निश्कर्ष का विरोध करते हुए कहा कि हमने जो मुद्दे रैलवे बोर्ड के समक्ष रक्खे थे इस कमेटी द्वारा वह नही माने गये। इस कारण हमें रनिंग कान्फ्रेन्स को जल्दी आयोजित करने का फैसला करना पड़ा । महामंत्री ने रनिंग स्टाफ के लिए स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के मुद्दे पर कहा कि यह स्कीम जल्दी ही लागू हो जायेगी तथा बाकी बचे हुए कोटियों के कर्मचरियो के लिए भी प्रयास जारी है और हम यह चाहते है कि रेल उद्योग में हर रेल कर्मचारी का एक बच्चा भर्ती हो जिसके लिए हमारा पुरजोर प्रयास जारी है। खाली पड़े हुए पदो के बारे में महामंत्री ने खेद प्रकट करते हुए कहा कि इस समय रेलवे में लगभग 2 लाख पोस्टें खाली पडी है जो नही भरी जा रही हैं जो कि रेलवे की संरक्षा और सुरक्षित संचालन के लिए बडी खतरनाक बात है। उन्होने कहा कि आज जितने भी एक्ट अप्रेन्टिसेज हैं वह सभी रेलवे में भर्ती होने पर ए आई आर एफ तथा एन आर एम यू की सराहना करते हैं । महामंत्री ने इस मीटिंग में कर्मचारीयों से सम्बन्धित अन्य मुद्दे जैसे कि जैसे कि "एनामली कमेंटी" में रनिंग स्टाफ के लिए अतिरिक्त भत्ता दिलाये जाने की सिफारिश , टैक्निशियन के दोनो ग्रेडो जिनकी ग्रेड पे रुपये 4200 तथा 2800 को एक करना, सहा. स्टेशन मास्टर के लिए रुपये 4200 ग्रेड पे की मांग , जेई और सुपरवाइजर्स को रुपये 4200 की जगह रुपये 4600 का ग्रेड पे और रुपये 4600 वालों को रुपये 4800 ग्रेड पे की मांग , टिकट चेकिंग स्टाफ तथा बुकिंग क्लर्क के ग्रेड पे के बारे में , गैंगमैन ,कीमैन ,गेटमैन ,मेट के ग्रेड के बारे मे, रेलवे बोर्ड को ए आई आर एफ द्वारा की गई सिफारिश आदि के बारे में विस्तार से अवगत कराया। महामंत्री ने सबसे गंभीर मुदद्दा पास के बारे मे सभी को अवगत कराते हुए कहा कि जल्द ही इस पर रेलबे बोर्ड से फैसला आने वाला है कि रुपये 4200 ग्रेड पे वालों को फर्स्ट क्लास का पास मिलेगा तथा रुपये 2800 ग्रेड पे वालो के लिए भी प्रयास जारी है । यूनियन की सदस्यता के बारे में सभी से अपील किया कि वह अपने शाखाओं में सदस्यता बढ़ायें। इसके साथ ही महामंत्री ने 15 अगस्त को राष्ट्रीय संगठनों के आयोजित सम्मेलन के बारे में बताते हुए कहा कि इस सम्मेलन द्वारा 7 सितम्बर 2010 को देशब्यापी हडताल के लिए दिन निश्चित किया है। एक दिन की हड़ताल होने

के कारण इसमें रेल विभाग शामिल नही किया गया है फिर भी हमारी सभी शाखाओं को जगह–जगह प्रर्दशन कर हड़ताली कर्मचरियों को पूर्ण सर्मथन देना है। महामंत्री ने 16 जुलाई को मावलंकर हाल नई दिल्ली में सम्पन्न हुये प्रतिरक्षा प्रतिष्ठान एवं अन्य केन्द्र कर्मचारियों के सम्मेलन का हवाला देते हुए बताया कि यह वर्ष जुलाई 1960 की हड़ताल का स्वर्ण जयंती है । हमारी आपसे अपील है कि इस अवसर पर पारित घोषणा पत्र जो सभी को वितरित किया जा चुका है का पूरा पालन करें एवं वर्ष भर जगह–जगह कार्यक्रम आयोजित कर हड़तालियों का सम्मान करें एवं बलिदानियों को श्रंद्धाजलि अर्पित करें। महामंत्री ने बताया कि 11 जुलाई 2010 को लखनऊ में हड़ताल की स्वर्ण जयंती का आयोजित कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा। उन्होने सभी सदस्यो को आगाह करते हुए कहा कि हमें भविष्य में होने वाले गुप्त मतदान के लिए तैयार रहना चाहिए क्योकि दोबारा कभी भी चुनाव हो सकता है। एन आर एम यू की वेबसाइट **www.nrmu.net** की प्रंशसा करते हुए उन्होने कहा कि यह बहुत अच्छी चल रही है तथा इससे तमाम आवश्यक जानकारियॉ प्राप्त की जा सकती है। इसके लिए उन्होने अमृतसर के साथी राजीव शर्मा को विशेष धन्यवाद दिया। महामंत्री ने सभी शाखा मंत्रियों को कहा कि उनकी शाखा की मासिक कार्यकारीणी सभा की रिपोर्ट मण्डल तथा केन्द्रीय कार्यालय को नही भेजी जाती है, जो कि अति आवश्यक है । महामंत्री ने कुछ शाखाओं के चुनाव अभी तक सम्पन्न न होने पार चिंता जाहिर करते हुए उन्हे अविलंब करा लेने की अपील की। महामंत्री ने संविधान में संशोधन के बारे में सभी को बताते हुए कहा कि परिवर्तित संविधान के अनुसार अब सभी मण्डल मंत्री केन्द्रीय पदाधिकारी हो जायेगे तथा पदों का निर्धारण स्टैन्डिंग कमेटी द्वारा किया जायेगा जिसका सभी ने हाथ उठाकर अनुमोदन कर दिया।

यूनियन का लेखा –जोखा यूनियन के कोषाध्यक्ष श्री वाई के शर्मा द्वारा रखा गया जिसे सदस्यो द्वारा सर्व सम्मति से पास कर दिया गया। लखा –जोखा रखते हुए कोषाध्यक्ष ने कुछ शाखाओं द्वारा बैलंस शीट एवं मेम्बरशिप की किताबे न जमा कराने पर चिंता जताई तथा स्पेशल लेवी की इस्तेमाल की हुई और बिना इस्तेमाल की हुई रसीदों को भी जमा कराने की अपील की।

अन्त में अध्यक्ष जी को धन्यवाद देते हुए सघन्यवाद सभा का विसर्जन किया गया।

शिव गोपाल मिश्र

(शिव गोपाल मिश्र)
महामंत्री

प्रतिलिपि– सभी केन्द्रीय पदाधिकारी , मण्डल मंत्री ,शाखा मंत्री /एन आर एम यू तथा केन्द्रीय परिषद सदस्यो को उनके शाखा के सचिव द्वारा प्रेषित

38/2010

26 जुलाई 2010